मध्य प्रदेश (राज्य सेवा) मुख्य परीक्षा–2018

मॉडल पेपर-2

अनुक्रमांक/Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate Should write his/her Roll No. here.

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3
No. of Printed Pages : 3

कुल प्रश्नों की संख्या : 3
Total No. of Questions : 3

M–2018–IV

सामान्य अध्ययन
GENERAL STUDIES

चतुर्थ प्रश्न-पत्र
Fourth Paper

समयः 3 घंटे | पूर्णांकः 200
Time: 3 Hours | **Total Marks: 200**

परीक्षार्थियों के लिये निर्देशः
Instructions to the Candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल 03 प्रश्न हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
   This Question Paper consists of three questions and all questions are compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।
   Marks for each question have been indicated on the right hand margin.
3. प्रश्न क्रमांक 1 में कोई आंतरिक विकल्प नहीं है। शेष प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है।
   There is no internal choice in Question No. 01, remaining questions carry internal choice.
4. प्रथम प्रश्न अति लघुउत्तरीय है, जिसमें 15 अनिवार्य प्रश्न हैं। प्रत्येक का उत्तर एक अथवा दो पंक्तियों में देना है। प्रश्न क्रमांक 02 में शब्द-सीमा 150 है।
   The first question is of very short-answer type consisting of 15 compulsory questions. Each one is to be answered in one or two lines. For Question No. 02 word limit is 150 words.
5. जहाँ शब्द-सीमा दी गई है, उसका पालन करें।
   Wherever word limit has been given, it must be adhered to.
6. प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से क्रमानुसार लिखें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखें।
   Question should be answered exactly in the order in which they appear in the question paper. Answer to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answer of the other question should be inserted between them.
7. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की तथ्यात्मक तथा मुद्रण त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेज़ी से अंग्रेज़ी रूपांतर को मानक माना जाएगा।
   In case there is any error of factual nature of printing, then out of the Hindi and English version of the question, the English version will be treated as standard.

1. निम्नलिखित प्रत्येक लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिये: **15 × 3 = 45**

(A) सामाजिक मूल्य को परिभाषित कीजिये।

(B) लोक प्रशासन में नैतिक मूल्य से आप क्या समझते हैं?

(C) 'द पॉलिटिक्स' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(D) अमौद्रिक अभिप्रेरणा का अर्थ समझाइये।

(E) जैन धर्म के सिद्धांत कौन-कौन से हैं?

(F) स्वामी विवेकानंद की रचनाएँ लिखिये।

(G) नैतिक शासन के घटक कौन-से हैं?

(H) महापरिनिर्वाण क्या है?

(I) पूर्वाग्रह की कोई दो विशेषताएँ लिखिये।

(J) विभेद क्या है?

(K) मनोवृत्ति का स्वरूप किस प्रकार का है?

(L) ब्रह्म समाज के संस्थापक कौन हैं?

(M) भ्रष्टाचार संबंधी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन कहाँ और कब आयोजित हुआ?

(N) केंद्रीय जाँच ब्यूरो से आप क्या समझते हैं?

(O) करुणा की थकान से क्या आशय है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर लिखिये। प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों की सीमा में हो: **15 × 6 = 90**

(A) मैस्लों के आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत को समझाइये।

(B) निष्पक्षता एवं असमर्थकवादिता तथा वस्तुनिष्ठता को समझाइये।

(C) गांधी जी के ट्रस्टीशिप की अवधारणा का मूल्यांकन कीजिये।

(D) राम मनोहर लोहिया की सप्त क्रांतियों पर टिप्पणी करें।

(E) स्वामी विवेकानंद के राजनीतिक एवं राष्ट्रीय चेतना के विचार लिखिये।

(F) बौद्ध धर्म के आष्टांगिक मार्ग पर टिप्पणी कीजिये।

(G) डॉ. भीमराव अंबेडकर के राजनीतिक विचार पर टिप्पणी कीजिये।

(H) मानव मूल्य क्या है? विशेषताएँ एवं मूल्यों के प्रकार बताइये?

(I) मनोवृत्ति परिवर्तन में असफलता के क्या कारण हैं?

(J) प्रतिबद्धता से क्या अभिप्राय है? क्या लोक सेवकों को प्रतिबद्ध होना चाहिये? चर्चा कीजिये।

(K) मध्य प्रदेश में लोकायुक्त संगठन की विशेषताएँ बताइये।

(L) लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013 में निर्दिष्ट प्रावधान क्या है?

(M) भ्रष्टाचार के समाज पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा करें।

(N) सांवेगिक बुद्धि के दक्षता क्षेत्र की व्याख्या कीजिये।

(O) सांवेगिक बुद्धि या भावनात्मक समझ एवं बुद्धिलब्धि में अंतर बताते हुए इनके महत्त्व की विवेचना कीजिये।

(P) सिटिजन चार्टर पर टिप्पणी कीजिये।

(Q) पंडित दीनदयाल के अंत्योदय संबंधी विचार लिखिये।

(R) अभिक्षमता का लोक सेवा में क्या महत्त्व है?

3. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वस्तु पर आधारित प्रकरण **2 × 15 = 30**

(A) प्रथम प्रकरण:

विषय: कुपोषण: कारण और निवारण

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (वर्ष 2015–16) के अनुसार मध्य प्रदेश कुपोषण के मामले में बिहार के बाद दूसरे स्थान पर है। यहाँ अभी भी 40 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं। कुपोषण के सबसे ज़्यादा शिकार आदिवासी समुदाय के लोग हैं। सबसे

ज़्यादा प्रभावित ज़िलों में श्योपुर (55 प्रतिशत), बड़वानी (53 प्रतिशत), मुरैना (52.2 प्रतिशत) और गुना (51.2 प्रतिशत) सम्मिलित हैं। कुपोषण के कारण इन बच्चों का ठीक से विकास नहीं हो पाता है और इनकी लंबाई व वज़न सामान्य बच्चों की तुलना में कम रहता है। रिपोर्ट के अनुसार सूबे में 8 साल से कम आयु के हर 100 बच्चों में से लगभग 40 बच्चों का विकास ठीक से नहीं हो पाता है। इसी तरह से 5 साल से कम उम्र के लगभग 60 प्रतिशत बच्चे खून की कमी के शिकार हैं और केवल 55 प्रतिशत बच्चों का ही संपूर्ण टीकाकरण हो पाता है।

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(a) विकासशील देशों में कुपोषण की समस्या के क्या कारण हैं?

(b) कुपोषण की समस्या के हल के लिये कौन-से उपाय सुझाए जा सकते हैं?

(c) कुपोषण रोकने में मीडिया किस प्रकार भूमिका निभा सकता है?

(d) क्या यह सामाजिक समस्या प्रशासनिक हस्तक्षेप के बिना समाप्त हो सकती है?

(e) इस समस्या के हल के लिये कोई अन्य पूर्व प्रयास किया जाना चाहिये?

(B) द्वितीय प्रकरण:

विषय: सुगनी देवी कॉलेज ज़मीन घोटाला **5 × 7 = 35**

सुगनी देवी कॉलेज ज़मीन घोटाले में कुछ राजनेता तथा प्रशासनिक अधिकारी समाविष्ट हैं। इस घोटाले में कॉलेज की तीन एकड़ ज़मीन धनलक्ष्मी केमिकल वर्क्स को 30 साल के लिये कम कीमत पर लीज पर दी गई थी। उसके बाद धनलक्ष्मी केमिकल वर्क्स ने यह ज़मीन नंदानगर सहकारी समिति को बेच दी। इस घोटाले में निम्नलिखित प्रदर्शित विषय स्पष्ट हुए–

- 100 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ जिसमें निजी कंपनी को गलत तरीके से भूमि आवंटित की गई।
- भूमि का हस्तांतरण अनुचित तरीके से पुन: विकास के लिये हुआ।
- अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग करते हुए भूमि का मूल्यांकन उचित कीमत पर नहीं किया।
- सभी पर आय से अधिक संपत्ति का आरोप लगाया गया।

उक्त प्रकरण के संबंध में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(a) भारत में इस तरह के घोटालों के कारण क्या हैं?

(b) सरकारी तंत्र इन्हें नियंत्रित करने में असमर्थ क्यों है?

(c) इस तरह के घोटालों के नियंत्रण में जनता की क्या भूमिका हो सकती है?

(d) इस तरह के नुकसान को कौन भरेगा?

(e) इसके नियंत्रण में प्रसार की क्या भूमिका हो सकती है?